5 लाख से अधिक भारतीय ग्लूकोमा से पीड़ित हैं,

पर इनमें से 90% इस सच्चाई से अन्जान हैं!

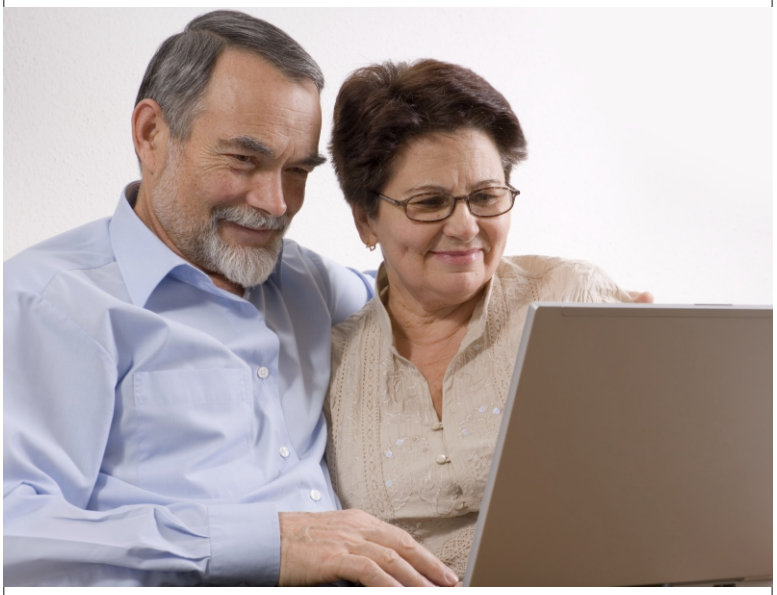

ग्लूकोमा को पहचानने व उपचार के लिये
अब प्रस्तुत है –

ज़ाइस जी.डी.एक्स. जाँच

...एक असाधारण जाँच !
...क्योंकि ग्लूकोमा है एक असाधारण रोग !!

ANGELEYES™
An ISO 9001:2000 Certified Eye Hospital

विश्व में मोतियाबिन्द के बाद अन्धता का दूसरा प्रमुख कारण है ग्लूकोमा और 6 करोड़ से अधिक लोग इससे पीड़ित हैं। परन्तु मोतियाबिन्द के विपरीत ग्लूकोमा से होने वाला अन्धापन लाइलाज है। ग्लूकोमा बिना किसी लक्षण चुपचाप आँखों की रोशनी छीन लेता है। प्रारम्भ में लक्षणों का अभाव और बाद में नज़र में आयी कमी का लाइलाज होना - यह दोनों ही कारण ग्लूकोमा को एक जटिल रोग बना देते हैं। इस असाध्य रोग को समय से पहचानना व उचित उपचार द्वारा नियन्त्रित रखना ही ग्लूकोमा से दृष्टि बचाने का एकमात्र उपाय है।

समझिये ग्लूकोमा को :

ग्लूकोमा उन नेत्र-रोगों के समूह को नाम दिया जाता है जिसमें आँख के पर्दे (रेटिना) में मौजूद देखने के लिये अनिवार्य मुख्य नस (ऑप्टिक नर्व) धीरे-धीरे सूख कर पतली होने लगती है। जैसे-जैसे नस क्षतिग्रस्त होती जाती है मरीज़ की दृष्टि कम होने लगती है और समय से उपचार न होने पर मरीज़ को अन्ततः अन्धा बना देती है।

भारत में ग्लूकोमा पकड़ में आने वालों में 45% वो रोगी हैं जो पहले भी नेत्र-परिक्षण करा चुके होते हैं। यह आँकड़े इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि अधिकतर नेत्र-परिक्षण अक्सर पूर्णतयः संतोषजनक नहीं होते। बिना सही उपकरणों के ग्लूकोमा को पक्के तौर पर पहचानने के लिये नेत्र-परिक्षण पर निर्भर रहना गलत हो सकता है।

ANGELEYES™

ग्लूकोमा होने का कारण :

यद्यपि आँख में द्रव्य के दबाव का बढ़ाना अक्सर, पर सदा नहीं, ग्लूकोमा के होने से जुड़ा पाया जाता है, परन्तु कुछ अन्य कारण भी इसके होने में योगदान देते हैं। आँख से जुड़ी लगभग हर बीमारी जैसे संक्रमण, सूजन, चोट, रक्त-स्राव, ट्यूमर आदि में आँख में द्रव्य का दबाव बढ़ जाता है। फिर भी ग्लूकोमा के अधिकांश मरीज़ों में अक्सर इन कारणों के न पाये जाने पर भी ग्लूकोमा हो जाता है। ग्लूकोमा के लगभग एक तिहाई मरीजों में सामान्य माने जाने वाले दबाव के चलते भी मुख्य नस (ऑप्टिक नर्व) क्षतिग्रस्त हो जाती है।

ग्लूकोमा के लक्षण :

ग्लूकोमा की मुख्य समस्या यही है कि 90-95% रोगियों में यह शुरू होने के काफ़ी बाद यह दृष्टि से सम्बन्धित लक्षण देना शुरू करता है। जिस समय तक रोगी यह समझ पाता है कि उसे कम दिख रहा है तब तक आँख की मुख्य नस कम से कम 30% क्षतिग्रस्त हो चुकी होती है। ग्लूकोमा के काफ़ी बढ़ जाने पर कुछ इस प्रकार के लक्षण मिल सकते हैं:

1.धीरे-धीरे घटती हुई किनारे की निगाह
2.कम रोशनी में देखने में दिक्कत
3.पास का बारीक़ काम करने में दिक्कत
4.रोशनी के चारों ओर इन्द्रधनुषी घेरे दिखना
5.जल्दी-जल्दी चश्में के नम्बर में परिवर्तन होना

ग्लूकोमा के आपातकालीन लक्षण :

ग्लूकोमा के कई प्रकारों में से केवल एक विशेष प्रकार (5-7%) में हमें यह लक्षण मिलते हैं:

1.आँखों में अचानक बहुत तेज़ दर्द होना
2.सिर में दर्द होना
3.धुँधला दिखाई देना
4.आँखों का लाल होना
5.रोशनी के गिर्द इन्द्रधनुषी घेरे दिखना

ग्लूकोमा की यह एक आपात स्थिती होती है। ऐसे में तुरन्त नेत्र-चिकित्सक से सम्पर्क करें। इस स्थिती में उपचार में देर होने से मरीज़ अपनी दृष्टि पूरी तरह खो सकता है। यह आपात स्थिति एक या दोनों आँखों में हो सकती है।

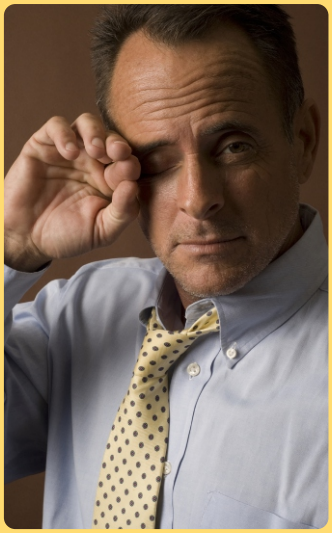

ANGELEYES™

ग्लूकोमा होने की अधिक सम्भावना :

यद्यपि हम में से हर व्यक्ति को ग्लूकोमा होने की सम्भावना होती है पर कुछ विशेष परिस्थितियों में व किसी विशेष वर्ग में इसकी सम्भावना बहुत अधिक बढ़ जाती है।

1.उम्र 45 वर्ष के उपर
2.परिवार में अन्य कोई ग्लूकोमा से पीड़ित (अनुवांशिक)
3.अफ्रिकी मूल के वंशज
4.डायबिटीज़
5.आँख में द्रव्य के दबाव के बढ़ने का कोई कारण् होने जैसे सूजन, रक्त-स्राव, ट्यूमर आदि
6.अत्यधिक दूर-दृष्टि दोष
7.आँख में चोट का इतिहास
8.लम्बे समय तक स्टीरॉयड (steroids) दवायें प्रयोग करने वाले
9.उच्च रक्त-चाप
10.माइग्रेन

ऐसे में आँख की पूरी जाँच, ख़ासकर ग्लूकोमा की पूरी जाँच, कम अन्तराल पर कराना अत्यन्त आवश्यक होता है। केवल इन जाँचों के द्वारा ही हम समय व दृष्टि दोनों के रहते उपचार शुरू कर सकते हैं।

ग्लूकोमा को कैसे पहचानें?

ग्लूकोमा के जटिल होने का एक मुख्य कारण है इसका समय से पकड़ में न आना। हमारे देश में लगभग 74% लोगों ने इस रोग का नाम तक नहीं सुना है। भारत में 64% लोगों में अगले 5 से 10 सालों में इस रोग के होने की बहुत अधिक सम्भावना है। ग्लूकोमा के विषय में बिना जानकारी के, इस ओर सतर्क रहना असम्भव है। साथ ही जो वर्ग ग्लूकोमा के विषय में जानता भी है वह भी अकसर केवल आँख में द्रव्य का दबाव नापने तक ही सीमित रह जाता है। परन्तु केवल दबाव नापने से ग्लूकोमा के सिर्फ़ दो तिहाई मरीज़ों में ही यह पकड़ में आ पाता है। ग्लूकोमा से पीड़ित एक तिहाई मरीज़ों में आँख में द्रव्य का दबाव नापने से यह पता चलने से रह जाता है।

शायद इसी लिये ग्लूकोमा को दृष्टि का छुपा हुआ चोर कहते हैं।

पर अब हम ग्लूकोमा को दृष्टि चुराने से रोक सकते हैं।

ज़ाइस जी.डी.एक्स. जाँच

ग्लूकोमा को समय से पहचानने का सर्वोत्तम उपाय – अभी जब समय और नज़र दोनों बाक़ी है।

ज़ाइस जी.डी.एक्स. द्वारा ग्लूकोमा की जाँच :

ज़ाइस जी.डी.एक्स. एक बिलकुल नई पद्धति की टैक्नोलॉजी पर आधारित उपकरण है जो ग्लूकोमा को न केवल प्रारम्भ में बल्कि उससे भी पहले हमें रोग को पहचानने में मदद करता है। जी.डी.एक्स. एक प्रकार का स्कैनिंग लेज़र है जो आँख में पर्दे व मुख्य नस की यथार्थ व त्रुटिहीन तस्वीरें हमें दिखाता है। इसका अदृश्य, सुरक्षित व हल्की उर्जा वाला लेज़र आँख की मुख्य नस की मोटाई की 36,000 बिन्दुओं पर चित्र खींच कर उनका अध्ययन कर सरल रूप में प्रस्तुत करता है।

हमारे नेत्र-केन्द्र में ज़ाइस जी.डी.एक्स. द्वारा ग्लूकोमा की प्रारम्भिक जाँच आपके सम्पूर्ण नेत्र परिक्षण का एक नियमित हिस्सा होती है। यह जाँच सुरक्षित व आरामदायक होती है व इसे करने में केवल 3 से 5 मिनट का समय लगता है। यदि इस प्रारम्भिक जाँच के परिणाम संदेहास्पद आत हैं तब आपको ज़ाइस जी.डी.एक्स. द्वारा ग्लूकोमा की सम्पूर्ण जाँच कराने की सलाह दी जाती है।

क्यों ज़ाइस जी.डी.एक्स. द्वारा जाँच इतनी विशिष्ट है?

ग्लूकोमा की अभी तक की उपलब्ध सारी जाँचें यह मापती है कि दृष्टि कितनी कम हो गई है। हमें चाहिये एक ऐसी जाँच जो यह बता सके कि हमारे पर्दे में स्थित मुख्य नस क्षतिग्रस्त होने जा रही है और समय से उन कारणों को रोक कर दृष्टि को बचाया जा सकता है। ग्लूकोमा की जाँचें मुख्यतः तीन वर्ग में आती हैं –

ANGELEYES™

ज़ाइस जी.डी.एक्स.:

किसी भी अन्य जाँच के विपरीत, ज़ाइस जी.डी.एक्स. के द्वारा आपका चिकित्सक सीधे आपके पर्दे और मुख्य नस की वास्तविक स्थिति देख सकता है। मुख्य नस यदि कुछ बिन्दुओं पर पतली होती दिखाई देती है तो यह आने वाले समय में ग्लूकोमा होने का संकेत देता है। अन्य हर जाँच ग्लूकोमा को दृष्टि की हानि होने के पहले पकड़ने में असमर्थ होती है। ज़ाइस जी.डी.एक्स. की सम्पूर्ण जाँच में हम मुख्य नस की वास्तविक स्थिति व ग्लूकोमा कितना अग्रसर हो चुका है, देख सकते हैं व इनके आधार पर उपचार शुरू करते हैं। जिस दबाव पर ग्लूकोमा नियन्त्रित रह कर मुख्य नस को हानि से बचाता है उस सीमा पर दबाव को रखना ही आपके उपचार का लक्ष्य है। अपने इस प्रयास में हम कितने सफ़ल हैं यह हम समय-समय पर सम्पूर्ण जाँच द्वारा देख कर आपकी दृष्टि बचा सकते हैं।

आँख में द्रव्य का दबाव नापने पर आधारित जाँचें :

साधारणतः आँख में द्रव्य का दबाव नाप कर ग्लूकोमा को पकड़ने की चेष्टा करी जाती है, परन्तु हमें ग्लूकोमा के एक-तिहाई मरीज़ ऐसे मिलते हैं जिनकी आँख में द्रव्य का दबाव सामान्य होने पर भी ग्लूकोमा होता है। ऐसे में केवल दबाव नापने पर निर्भर रहना हमें भ्रमित कर सकता है और दृष्टि की काफ़ी हानि होने पर ही ग्लूकोमा का पता चलता है।

आँख की मुख्य नस का सामान्य परीक्षण :

एक साधारण नेत्र-परीक्षण में यद्यपि आँख के पर्दे व मुख्य नस के प्रारम्भ बिन्दु को उपकरणों द्वारा देख कर ग्लूकोमा होने का पता लगाया जा सकता है परन्तु इस जाँच द्वारा नस का पतला होना ग्लूकोमा के प्रारम्भ में नहीं दिखाई देता है। जब तक इस जाँच द्वारा ग्लूकोमा का पता चलता है दृष्टि की काफ़ी हानि हो चुकी होती है।

दृष्टि की परिधि की जाँच :

दृष्टि की परिधि की जाँच के द्वारा हम यह जानने का प्रयास करते कि परिधि का कितना भाग आप देख सकते हैं और दृष्टि की कितने प्रतिशत हानि हो चुकी है। यह जाँच आँख की मुख्य नस की हानि होने पर आधारित है। चूँकि दृष्टि की 30-40% हानि होने के बाद ही यह जाँच ग्लूकोमा को पकड़ पाती है अतः ग्लूकोमा को प्रारम्भ

ANGELEYES™

में पहचानने में यह अनुपयोगी सिद्ध होती है। यह जाँच साधारणतः रोग के बढ़ने की रफ़्तार व उपचार का प्रभाव समझने में अधिक उपयोगी है।

ग्लूकोमा की जाँच का उचित अन्तराल :

चूँकि ग्लूकोमा में लक्षण काफ़ी देर में आते हैं इसलिये ग्लूकोमा की प्रारम्भिक जाँच समय समय से कराना अनिवार्य है।ग्लूकोमा को समय रहते पकड़ने के लिये विभिन्न नेत्र-चिकित्सा संस्थाओं द्वारा प्रस्तावित ग्लूकोमा की जाँच का उचित अन्तराल इस प्रकार है:

आपकी उम्र	कम सम्भावना वाले वर्ग में जाँच	अधिक सम्भावना वाले वर्ग में जाँच
20-29 वर्ष	इस अन्तराल में 1 बार	हर 3-5 वर्ष में 1 बार
30-39 वर्ष	हर 5 वर्ष में 1 बार	हर 2-3 वर्ष में 1 बार
40-64 वर्ष	हर 2 वर्ष में 1 बार	हर 1-2 वर्ष में 1 बार
65 वर्ष व ऊपर	प्रत्येक वर्ष में 1 बार	प्रत्येक वर्ष में 1 बार

ग्लूकोमा एक जीवन भर रहने वाला रोग है। इसे केवल उचित नियन्त्रण में रख कर ही दृष्टि को बचाया जा सकता है। उपचार द्वारा इसे समाप्त नहीं किया जा सकता है। अतः ग्लूकोमा के मरीज़ को पूरे जीवन-भर इसका उपचार व उचित नियन्त्रण जानने के लिये समय समय पर जाँच कराना अनिवार्य है।

समान्य दृष्टि

ग्लूकोमा के प्रारम्भ में दृष्टि

ग्लूकोमा बढ़ जाने पर दृष्टि

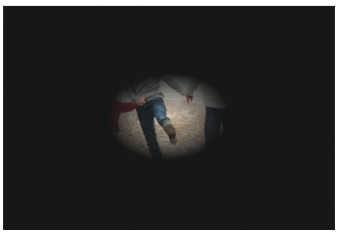
ग्लूकोमा अत्यधिक बढ़ने पर दृष्टि

ग्लूकोमा का उपचार :

ग्लूकोमा में यद्यपि आँख के पर्दे व मुख्य नस की क्षति व दृष्टि में आयी कमी को ठीक नहीं किया जा सकता, परन्तु उपचार द्वारा ग्लूकोमा को नियन्त्रित रख कर दृष्टि की और क्षति को रोका जा सकता है। उपचार का लक्ष्य आँख में द्रव्य का दबाव उस सीमा के अन्दर रखना होता है जिस पर आँख के पर्दे व मुख्य नस की क्षति न हो। यह दबाव – सामान्य, सामान्य से अधिक अथवा सामान्य से कम – प्रत्येक मरीज़ के लिये अलग-अलग हो सकता है। ग्लूकोमा के मरीज़ को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिये कि यह उपचार पूरे जीवन-भर चलेगा व समय-समय पर उपचार के प्रभाव की जी.डी.एक्स. द्वारा जाँच करवानी अनिवार्य है।
उपचार मुख्यतः तीन प्रकार से सम्भव हैः

1. **दवाएं** : अधिकतर आँख में डालने वाली आई-ड्रॉप्स के द्वारा ग्लूकोमा को नियन्त्रित रखा जाता है। कुछ मरीज़ों में ग्लूकोमा को नियन्त्रित करने के लिये एक से अधिक आई-ड्रॉप्स की आवश्यकता पड़ती है।

2. **लेज़र** : लेज़र उपचार द्वारा आँख में द्रव्य का दबाव कम करने के लिये एक अतिरिक्त मार्ग का निर्माण किया जाता है। यह एक दर्दरहित व कम समय में बिना चीरे बिना टाँके वाला सरल उपचार है। ग्लूकोमा के रोक-थाम में यह काफ़ी, यद्यपि पूरी तरह नहीं, उपयोगी सिद्ध होता है। अक्सर लेज़र उपचार व काफ़ी घटी मात्रा में दवाओं के प्रयोग द्वारा हम ग्लूकोमा को नियन्त्रित रख सकते हैं।

3. **शल्य-चिकित्सा** : लेज़र की ही तरह ग्लूकोमा नियन्त्रण के लिये शल्य-चिकित्सा भी करी जाती है। इस उपचार के बाद भी कभी-कभी ग्लूकोमा को पूरी तरह नियन्त्रित करने के लिये मरीज़ को दवा की आवश्यकता पड़ती है।

यह पुस्तिका आपके सामान्य ज्ञान के लिये है। अधिक जानकारी के लिये कृपया निःसंकोच सम्पर्क करें।

एंजल आइज़ लैसिक सेन्टर
C-35, सर्वोदय नगर, कानपुर, उ.प्र.
फ़ोन:0512-2219552,09335743880,09235911111
www.angeleyeslasikcentre.com

एंजल आइज़ लैसिक क्लीनिक
110/126, ओम बिल्डिंग, आर.के.नगर,
80 फ़ीट रोड, कानपुर, उ.प्र. फ़ोन:0512-2543519

ANGELEYES™